Ref. No. AU/HZB/NSS/Reg./ 1886/2024-25 Date: - 30/12/2024

To,

The Regional Director

Ministry of Youth Affairs & Sports

Regional Directorate of NSS

7th Floor C Wing, Near Rajiv Nagar Thana,

Aashiyana – Digha Road, Patna – 800025.

Sub:- **Monthly activities of NSS programmes for the month of 03 Dec to 29 Dec, 2024.**

Respected Sir,

In this regard, the details of a monthly report of the activities conducted under the banner of NSS in our university is as follows:-

Sl. No.	Activities	Date/Month
1.	विश्व मानवाअधिकार दिवस	10-12-2024
2.	मेरा युवा भारत (जिला स्तरीय युवा उत्साव)	15-12-2024
3.	राष्ट्रीय सेवा योजना अभिविन्यास कार्यक्रम 2024	24-12-2024

Thanking you.

Yours sincerely,

Dr. Munish Govind

Registrar

AISECT UNIVERSITY

झारखण्ड NEWS 24 www.jharkha

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में विश्व मानवाधिकार दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

झारखण्ड न्यूज24
हजारीबाग
संवाददाता कुमार

आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्य कैंपस सभागार में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन व विधि विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के बैनर तले मंगलवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनएसएस के छात्र-छात्राओं की ओर से पेश किए गए लक्ष्य गीत व प्रेरक उद्बोधन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम परिचय के बाद मौके पर मौजूद बतौर मुख्य अतिथि डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा ने विश्व मानवाधिकार दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दरअसल यह दिन सम्मान, स्वाभिमान और समानता के साथ मानव अधिकारों की रक्षा को लेकर जागरूक करता है। डॉ भीम राव अम्बेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय के डीन एडमिन डॉ एसआर रथ ने कहा कि डॉ अम्बेडकर ने समाज की कुरीतियों और विकृतियों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने आज के युग में एकता और सहानुभूति के सिद्धांतों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य वक्ता व विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल ने कहा कि मानवाधिकार एवं मूल स्वतंत्रता ऐसे व्यक्तिगत अधिकार हैं, जो मानवीय आवश्यकताओं और क्षमताओं पर आधारित होते हैं। वे वे अधिकार हैं, जिनके बिना व्यक्तित्व का हनन और प्रतिष्ठा का विनाश हो जाता है। विधि विभाग विभागाध्यक्ष कोमल पल्लवी भेंगरा ने मानवाधिकारों का संरक्षण एवं क्रियान्वयन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी बतायी। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने मानवाधिकारों की शिक्षा को समाज में फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। धन्यवाद ज्ञापन सीएस एंड आईटी विभाग डीन उदय रंजन ने किया। बताते चलें कि कार्यक्रम ने छात्र-छात्राओं को मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने और समाज में उनके महत्व को समझाने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर कृषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार, एचआर राज तिवारी, टीपीओ मनोज कुमार, कृषि विभागाध्यक्ष डॉ सत्यप्रकाश विश्वकर्मा, प्रभात किरण, प्रतिभा हेंब्रम, फरहीन सिद्दीकी, संजय कुमार, डॉ आरसी राणा, डॉ विनय कुमार, तबरेज खान, प्रिति वर्मा, विशाखा बाला, मति गीता स्वामी सहित अन्य प्राध्यापक - प्रध्यापिकाओं व कर्मियों के साथ साथ स्वयंसेवकों व अन्य छात्र-छात्राओं की मौजूदगी रही।

आइसेक्ट विवि में विश्व मानवाधिकार दिवस का आयोजन

यह दिन सम्मान, स्वाभिमान और समानता के साथ मानव अधिकारों की रक्षा को लेकर जागरूक करता है- डॉ एमके

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। आइसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्य कैंपस सभागार में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन और विधि विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के बैनर तले मंगलवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनएसएस के छात्र-छात्राओं की ओर से पेश किए गए लक्ष्य गीत व प्रेरक उद्बोधन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम परिचय के बाद मौके पर मौजूद बतौर मुख्य अतिथि डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा ने विश्व मानवाधिकार दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दरअसल यह दिन सम्मान, स्वाभिमान और समानता के साथ मानव अधिकारों की रक्षा को लेकर जागरूक करता है। डॉ भीमराव अंबेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय के डीन एडमिन डॉ एसआर रथ ने कहा कि डॉ अम्बेडकर ने समाज की कुरीतियों और विकृतियों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने आज के युग में एकता और सहानुभूति के सिद्धांतों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य वक्ता व विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल ने कहा कि मानवाधिकार एवं मूल स्वतंत्रता ऐसे व्यक्तिगत अधिकार हैं, जो मानवीय आवश्यकताओं और क्षमताओं पर आधारित होते हैं। वे वे अधिकार हैं, जिनके बिना व्यक्तित्व का हनन और प्रतिष्ठा का विनाश हो जाता है। विधि विभाग विभागाध्यक्ष कोमल पल्लवी भेंगरा ने मानवाधिकारों का संरक्षण एवं क्रियान्वयन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी बतायी। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने मानवाधिकारों की शिक्षा को समाज में फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। धन्यवाद ज्ञापन सीएस एंड आईटी विभाग डीन उदय रंजन ने किया। बताते चलें कि कार्यक्रम ने छात्र-छात्राओं को मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने और समाज में उनके महत्व को समझाने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर कृषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार, एचआर राज तिवारी, टीपीओ मनोज कुमार, कृषि विभागाध्यक्ष डॉ सत्यप्रकाश विश्वकर्मा, प्रभात किरण, प्रतिभा हेंब्रम, फरहीन सिद्दीकी, संजय कुमार, डॉ आरसी राणा, डॉ विनय कुमार, तबरेज खान, प्रिति वर्मा, विशाखा बाला, मति गीता स्वामी सहित अन्य प्राध्यापक - प्रध्यापिकाओं व कर्मियों के साथ साथ स्वयंसेवकों व अन्य छात्र-छात्राओं की मौजूदगी रही।

आयोजन विश्व मानवाधिकार दिवस पर आईसेक्ट विश्वविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए छात्र-छात्राओं को किया प्रेरित

संवेदनशीलता बढ़ाने पर बल दिया

समानता के सिद्धांतों पर जोर

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग: हजारीबाग आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्य कैंपस सभागार में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन व विधि विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के बैनर तले मंगलवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनएसएस के छात्र-छात्राओं की ओर से पेश किए गए लक्ष्य गीत व प्रेरक उद्बोधन से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यक्रम परिचय के बाद मौके पर मौजूद बतौर मुख्य अतिथि डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा ने विश्व मानवाधिकार दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दरअसल यह दिन सम्मान, स्वाभिमान और समानता के साथ मानव अधिकारों की रक्षा को लेकर जागरूक करता है। डॉ भीमराव अम्बेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय के डीन एडमिन डॉ एसआर रथ ने कहा कि डॉ अम्बेडकर ने समाज की कुरीतियों और विकृतियों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने आज के युग में एकता और सहानुभूति के सिद्धांतों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य वक्ता व विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल ने कहा कि मानवाधिकार एवं मूल स्वतंत्रता ऐसे व्यक्तिगत अधिकार हैं, जो मानवीय आवश्यकताओं और क्षमताओं पर आधारित होते हैं। वे वे अधिकार हैं, जिनके बिना व्यक्तित्व का हनन और प्रतिष्ठा का विनाश हो जाता है। विधि विभाग विभागाध्यक्ष कोमल पल्लवी भेंगरा ने मानवाधिकारों का संरक्षण एवं क्रियान्वयन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी बतायी। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने मानवाधिकारों की शिक्षा को समाज में फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। धन्यवाद ज्ञापन सीएस एंड आईटी विभाग डीन उदय रंजन ने किया। बताते चलें कि कार्यक्रम ने छात्र-छात्राओं को मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने और समाज में उनके महत्व को समझाने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर कृषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार, एचआर राज तिवारी, टीपीओ मनोज कुमार, कृषि विभागाध्यक्ष डॉ सत्यप्रकाश विश्वकर्मा, प्रभात किरण, प्रतिभा हेंब्रम, फरहीन सिद्दीकी, संजय कुमार, डॉ आरसी राणा, डॉ विनय कुमार, तबरेज खान, प्रिति वर्मा, विशाखा बाला, मति गीता स्वामी सहित अन्य प्राध्यापक - प्रध्यापिकाओं व कर्मियों के साथ साथ स्वयंसेवकों व अन्य छात्र-छात्राओं की मौजूदगी रही।

MAGZTER

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में विश्व मानवाधिकार दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

संध्या प्रहरी, हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्य कैंपस सभागार में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन व विधि विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के बैनर तले मंगलवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एनएसएस के छात्र-छात्राओं की ओर से पेश किए गए लक्ष्य गीत व प्रेरक उद्बोधन से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यक्रम परिचय के बाद मौके पर मौजूद बतौर मुख्य अतिथि डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा ने विश्व मानवाधिकार दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दरअसल यह दिन सम्मान, स्वाभिमान और समानता के साथ मानव अधिकारों की रक्षा को लेकर जागरूक करता है। डॉ भीमराव अम्बेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय के डीन एडमिन डॉ एसआर रथ ने कहा कि डॉ अम्बेडकर ने समाज की कुरीतियों और विकृतियों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने आज के युग में एकता और सहानुभूति के सिद्धांतों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य वक्ता व विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल ने कहा कि मानवाधिकार एवं मूल स्वतंत्रता ऐसे व्यक्तिगत अधिकार हैं, जो मानवीय आवश्यकताओं और क्षमताओं पर आधारित होते हैं। ये वे अधिकार हैं, जिनके बिना व्यक्तित्व का हनन और प्रतिष्ठा का विनाश हो जाता है। विधि विभाग विभागाध्यक्ष कोमल पल्लवी भेंगरा ने मानवाधिकारों का संरक्षण एवं क्रियान्वयन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी बतायी। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने मानवाधिकारों की शिक्षा को समाज में फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। धन्यवाद ज्ञापन सीएस एंड आईटी विभाग डीन उदय रंजन ने किया। बताते चलें कि कार्यक्रम ने छात्र-छात्राओं को मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने और समाज में उनके महत्व को समझाने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर कृषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार, एचआर राज तिवारी, टीपीओ मनोज कुमार, कृषि विभागाध्यक्ष डॉ सत्यप्रकाश विश्वकर्मा, प्रभात किरण, प्रतिभा हेंब्रम, फरहीन सिद्दीकी, संजय कुमार, डॉ आरसी राणा, डॉ विनय कुमार, तबरेज खान, प्रिति वर्मा, विशाखा बाला, मति गीता स्वामी सहित अन्य प्राध्यापक - प्राध्यापिकाओं व कर्मियों के साथ साथ स्वयंसेवकों व अन्य छात्र-छात्राओं की मौजूदगी रही।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में विश्व मानवाधिकार दिवस पर कार्यक्रम

वर्ल्ड वाइज न्यूज़

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्य कैंपस सभागार में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन व विधि विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के बैनर तले मंगलवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनएसएस के छात्र-छात्राओं की ओर से पेश किए गए लक्ष्य गीत व प्रेरक उद्बोधन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम परिचय के बाद मौके पर मौजूद बतौर मुख्य अतिथि डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा ने विश्व मानवाधिकार दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दरअसल यह दिन सम्मान, स्वाभिमान और समानता के साथ मानव अधिकारों की रक्षा को लेकर जागरूक करता है। डॉ भीमराव अम्बेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय के डीन एडमिन डॉ एसआर रथ ने कहा कि डॉ अम्बेडकर ने समाज की कुरीतियों और विकृतियों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने आज के युग में एकता और सहानुभूति के सिद्धांतों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य वक्ता व विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल ने कहा कि मानवाधिकार एवं मूल स्वतंत्रता ऐसे व्यक्तिगत अधिकार हैं, जो मानवीय आवश्यकताओं और क्षमताओं पर आधारित होते हैं। ये वे अधिकार हैं, जिनके बिना व्यक्तित्व का हनन और प्रतिष्ठा का विनाश हो जाता है। विधि विभाग विभागाध्यक्ष कोमल पल्लवी भेंगरा ने मानवाधिकारों का संरक्षण एवं क्रियान्वयन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी बतायी। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने मानवाधिकारों की शिक्षा को समाज में फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। धन्यवाद ज्ञापन सीएस एंड आईटी विभाग डीन उदय रंजन ने किया। कार्यक्रम ने छात्र-छात्राओं को मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने और समाज में उनके महत्व को समझाने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर कृषि संकायाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार, एचआर राज तिवारी, टीपीओ मनोज कुमार, कृषि विभागाध्यक्ष डॉ सत्यप्रकाश विश्वकर्मा, प्रभात किरण, प्रतिभा हेंब्रम, फरहीन सिद्दीकी, संजय कुमार, डॉ आरसी राणा, डॉ विनय कुमार, तबरेज खान, प्रिति वर्मा, विशाखा बाला, मति गीता स्वामी सहित अन्य प्राध्यापक -प्रध्यापिकाओं व कर्मियों के साथ साथ स्वयंसेवकों व अन्य छात्र-छात्राओं की मौजूदगी रही।

EL YOUTH FESTIVAL 2024-25
Story Writing Contest

AISECT UNIVERSITY
राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

आइसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास, एनएसएस का मूल उद्देश्य : डॉ मुनीष गोविंद

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। आइसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के एनएसएस इकाई की ओर से मंगलवार को अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सन्याल सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्वलित कर किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई के सफलता पूर्वक कार्यान्वयन के लिए एनएसएस समन्वयिका सहित एनएसएस इकाई को बधाई दी। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने एनएसएस की महत्ता पर अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता एनएसएस समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डीन एकेडमिक प्रो एमके मिश्रा और विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल ने भी एनएसएस गतिविधियों को लेकर स्वयंसेवकों को जानकारी दी। सह प्राध्यापक आदित्य कुमार ने शगुफ्ता प्रवीण, तजमीन हुसैन, नेहा कुमारी, बीना कुमारी, रीना कुमारी, मो इरशाद अली, शिवम कुमार, राजन कुमार, सोनू कुमार वर्मा, मुकेश कुमार महतो, सन्नी दयाल, सुजीत कुमार, राहुल कुमार, प्रीतम कुमार, भास्कर कुमार, संगीता कुमारी सहित सभी स्वयंसेवकों को पीटी और कदमताल कराया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हेरा फातिमा, तनिष्का कुमारी, सीमा कुमारी, पूजा कुमारी, ऋतिक कुमार सहित अन्य स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास, एनएसएस का मूल उद्देश्य : डॉ मुनीष गोविंद

वर्ल्ड वाइड न्यूज़

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग की एनएसएस इकाई की ओर से मंगलवार को अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सन्याल सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्वलित कर किया गया। दरअसल यह कार्यक्रम नए सत्र में इकाई में पंजीकृत हुए स्वयंसेवकों के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई के सफलता पूर्वक कार्यान्वयन के लिए एनएसएस समन्वयिका सहित एनएसएस इकाई को बधाई दी। साथ ही उन्होंने एनएसएस के मूल उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित कर स्वयंसेवकों से मुखातिब होते हुए कहा कि एनएसएस की गतिविधियां छात्र-छात्राओं को सामाजिक और मानवीय कौशल विकसित करने में मददगार है। साथ ही कहा कि सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व विकास करना ही एनएसएस का मूल उद्देश्य है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने एनएसएस की महत्ता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि एनएसएस का आदर्श वाक्य 'मैं नहीं बल्कि आप' है, जो निःस्वार्थ सेवा की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस की गतिविधियां छात्र-छात्राओं को जिम्मेदार, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनने में मदद करता है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता एनएसएस समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही एनएसएस की गतिविधियां पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित किया। डीन एकेडमिक प्रो एमके मिश्रा व विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सन्याल ने भी एनएसएस गतिविधियों को लेकर स्वयंसेवकों को जानकारी दी। सह प्राध्यापक आदित्य कुमार ने शगुफ्ता प्रवीण, तजमीन हुसैन, नेहा कुमारी, बीना कुमारी, रीना कुमारी, मो इरशाद अली, शिवम कुमार, राजन कुमार, सोनू कुमार वर्मा, मुकेश कुमार महतो, सन्नी दयाल, सुजीत कुमार, राहुल कुमार, प्रीतम कुमार, भास्कर कुमार, संगीता कुमारी सहित सभी स्वयंसेवकों को पीटी व कदमताल कराया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हेरा फातिमा, तनिष्का कुमारी, सीमा कुमारी, पूजा कुमारी, ऋतिक कुमार सहित अन्य स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास उद्देश्य : डॉ. मुनीष गोविंद

पंच संवाददाता

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के एनएसएस इकाई की ओर से मंगलवार को अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सन्याल सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्वलित कर किया गया। दरअसल यह कार्यक्रम नए सत्र में इकाई में पंजीकृत हुए स्वयंसेवकों के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई के

सफलता पूर्वक कार्यान्वयन के लिए एनएसएस समन्वयिका सहित एनएसएस इकाई को बधाई दी। साथ ही उन्होंने एनएसएस के मूल उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित कर स्वयंसेवकों से मुखातिब होते हुए कहा कि एनएसएस की गतिविधियां छात्र-छात्राओं को सामाजिक और मानवीय कौशल विकसित करने में मददगार है। साथ ही कहा कि सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व विकास करना ही एनएसएस का मूल उद्देश्य है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने एनएसएस की महत्ता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि एनएसएस का आदर्श वाक्य मैं नहीं बल्कि आप है, जो निःस्वार्थ सेवा की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस की गतिविधियां छात्र-छात्राओं को जिम्मेदार, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनने में मदद करता है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता एनएसएस समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही एनएसएस की गतिविधियां पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित किया। डीन एकेडमिक प्रो एमके मिश्रा व विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल ने भी एनएसएस गतिविधियों को लेकर स्वयंसेवकों को जानकारी दी। सह प्राध्यापक आदित्य कुमार ने शगुफ्ता प्रवीण, तजमीन हुसैन, नेहा कुमारी, बीना कुमारी, रीना कुमारी, मो इरशाद अली, शिवम कुमार, राजन कुमार, सोनू कुमार वर्मा, मुकेश कुमार महतो, सन्नी दयाल, सुजीत कुमार, राहुल कुमार, प्रीतम कुमार, भास्कर कुमार, संगीता कुमारी सहित सभी स्वयंसेवकों को पीटी व कदमताल कराया।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

• सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास, एनएसएस का मूल उद्देश्यः डॉ मुनीष गोविंद

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के एनएसएस इकाई की ओर से मंगलवार को अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सन्याल सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्वलित कर किया गया। दरअसल यह कार्यक्रम नए सत्र में इकाई में पंजीकृत हुए स्वयंसेवकों के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई के सफलता पूर्वक कार्यान्वयन के लिए एनएसएस समन्वयिका सहित एनएसएस इकाई

को बधाई दी। साथ ही उन्होंने एनएसएस के मूल उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित कर स्वयंसेवकों से मुखातिब होते हुए कहा कि एनएसएस की गतिविधियां छात्र-छात्राओं को सामाजिक और मानवीय कौशल विकसित करने में मददगार है। साथ ही कहा कि सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व विकास करना ही एनएसएस का मूल उद्देश्य है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने एनएसएस की महत्ता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि एनएसएस का आदर्श वाक्य मैं नहीं बल्कि आप है, जो निःस्वार्थ सेवा की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस की गतिविधियां छात्र-छात्राओं को जिम्मेदार, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनने में मदद करता है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता एनएसएस समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही एनएसएस की गतिविधियां पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित किया। डीन एकेडमिक प्रो एमके मिश्रा व विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल ने भी एनएसएस गतिविधियों को लेकर स्वयंसेवकों को जानकारी दी। सह प्राध्यापक आदित्य कुमार ने शगुफ्ता प्रवीण, तजमीन हुसैन, नेहा कुमारी, बीना कुमारी, रीना कुमारी, मो इरशाद अली, शिवम कुमार, राजन कुमार, सोनू कुमार वर्मा, मुकेश कुमार महतो, सन्नी दयाल, सुजीत कुमार, राहुल कुमार, प्रीतम कुमार, भास्कर कुमार, संगीता कुमारी सहित सभी स्वयंसेवकों को पीटी व कदमताल कराया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हेरा फातिमा, तनिष्का कुमारी, सीमा कुमारी, पूजा कुमारी, ऋतिक कुमार सहित अन्य स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दिनांक 24/12/2024 समाचार अवलोकन Website: www.samacharavlokan.com 06

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास, एनएसएस का मूल उद्देश्य : डॉ मुनीष गोविंद

समाचार अवलोकन
हजारीबाग
योगेंद्र प्रजापति

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के एनएसएस इकाई की ओर से मंगलवार को अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुल. पति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सन्याल सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। दरअसल यह कार्यक्रम नए सत्र में इकाई में पंजीकृत हुए स्वयंसेवकों के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गो. विंद ने विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई के सफलता पूर्वक कार्यान्वयन के लिए एनएसएस समन्वयिका सहित एनएसएस इकाई को बधाई दी। साथ ही उन्होंने एनएसएस के मूल उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित कर स्वयंसेवकों से मुखातिब होते हुए कहा कि एनएसएस की गतिविधियां छात्र–छात्राओं को सामाजिक और मानवीय कौशल विकसित करने में मददगार है। साथ ही कहा कि सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व विकास करना ही एनएसएस का मूल उद्देश्य है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने एनएसएस की महत्ता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि एनएसएस का आदर्श वाक्य मैं नहीं बल्कि आप है, जो निःस्वार्थ सेवा की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस की गति. विधियां छात्र–छात्राओं को जिम्मेदार, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनने में मदद करता है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता एनएसएस समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही एनएसएस की गतिविधियां पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित किया। डीन एकेडमिक प्रो एमके मिश्रा व विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल ने भी एनएसएस गतिविधियों को लेकर स्वयंसेवकों को जानकारी दी। सह प्राध्यापक आदित्य कुमार ने शगुफ्ता प्रवीण, तजमीन हुसैन, नेहा कुमारी, बीना कुमारी, रीना कुमारी, मो इरशाद अली, शिवम कुमार, राजन कुमार, सोनू कुमार वर्मा, मुकेश कुमार महतो, सन्नी दयाल, सुजीत कुमार, राहुल कुमार, प्रीतम कुमार, भास्कर कुमार, संगीता कुमारी सहित सभी स्वयंसेवकों को पीटी व कदमताल कराया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हेरा फातिमा, तनिष्का कुमारी, सीमा कुमारी, पूजा कुमारी, ऋतिक कुमार सहित अन्य स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संध्या प्रहरी हजारीबाग 28

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास, एनएसएस का मूल उद्देश्य : डॉ मुनीष गोविंद

[illegible]